

अनमोल दावा

श्रद्धा से ज्ञान, नग्रता से मान और योग्यता से स्थान मिलता है यह तीनों मिल जाए तो व्यक्ति को दृग जगह सम्मान मिलता है।

अर्थव्यवस्था का हाल, गरीबी में कमी, लेकिन घरेलू खर्च हो गए दोगुने से अधिक

अर्थव्यवस्था के तेज विकास और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने के दावों के बीच हकीकत यह है कि पछले बाहर-तेरह सालों में लोगों का घरेलू खर्च बढ़ कर दोगुने से अधिक हो गया है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के ताजा घरेलू उपभोग व्यव सर्वेक्षण के मुताबिक मौजूदा कीमतों पर शहरी क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति औसत घरेलू खर्च 2011-12 के 2,630 रुपए से बढ़ कर 2022-23 में दोगुने से अधिक यानी 6,459 रुपए हो गया है। इसी तरह ग्रामीण इलाकों में यह 1,430 रुपए से बढ़कर 3,773 रुपए हो गया है।

इसमें यह भी जाहिर हुआ है कि गैर-खाद्य वस्तुओं पर खर्च बढ़ा है, जबकि खाद्याग्र पर खर्च पहले की तुलना में कम हुआ है। फलों, सब्जियों, दूध, मछली, खाद्य तेल आदि पर खर्च बढ़ा है। इसी तरह शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोजन, वस्त्र और दूसरी जल्दी उपभोक्ता वस्तुओं पर खर्च बढ़ा है। इसकी एक वजह तो यह बताई जा रही है कि कोविड के समय शहरों से गांवों की तरफ लौटे लोगों के कृषि क्षेत्र में समाहित हो जाने से उस क्षेत्र का औसत उपभोग खर्च बढ़ा है। मगर यही तर्क शहरी खर्च बढ़ने पर लागू नहीं होता। यह तब है, जब सरकार लगातार महंगाई पर काढ़ा पाने का प्रयास कर रही है।

इन आंकड़ों के समांतर दावा यह भी है कि गरीबी में पांच फीसद की कमी आई है। बहुआयामी गरीबी से करीब तेरह सबसे बड़े लोगों के बाहर निकलने का आंकड़ा भी कुछ दिनों पहले चर्चा में था। इन सबके बीच एक तथ्य यह भी है कि प्रति व्यक्ति आय में कोई उल्लेखनीय बढ़ोतारी नहीं हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति मासिक आय भी लगभग उतनी ही है, जितना प्रति व्यक्ति मासिक खर्च है।

मगर इससे प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति खर्च का समीकरण संतुलित नहीं होता। ज्यादातर परिवारों में एक ही व्यक्ति कमाने वाला होता है, जबकि उस पर निर्भर औसतन तीन लोग होते हैं। इन्हीं आंकड़ों के बीच सरकार का दावा है कि वह बायारी करोड़ लोगों को सुफूत राशन उपलब्ध कराती है। यानी प्रति व्यक्ति मासिक घरेलू खर्च के औसत में इस आवादी का हिस्सा भी शामिल है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि चूंकि यह सरकार के विशेषज्ञों का दावा है कि प्रति व्यक्ति खर्च बढ़ रही है, जिस अनुपात में नहीं बढ़ रही है।

महंगाई और प्रति व्यक्ति खर्च बढ़ना एक स्वस्थ अर्थव्यवस्था की निशानी माना जाता है। मगर इसके साथ-साथ प्रति व्यक्ति आय में भी समतुल्य बढ़ोतारी दर्ज होना आवश्यक है। विचित्र है कि प्रति व्यक्ति आय उस अनुपात में नहीं बढ़ रही है, जिस अनुपात में महंगाई और घरेलू खर्च बढ़ रहा है। इसकी बड़ी वजह रोजगार के नए अवसर सूजित न हो पान और कोविड के दौरान बाहर हुए लोगों का वापस रोजगार में न लौट पाना है। जो लोग कृषि क्षेत्र में समाहित हो गए हैं, उन्हें भी दैनिक मजदूरी उपलब्ध नहीं हो पाती। कृषि क्षेत्र खुद कई संकटों से गुजर रहा है।

मौसम की मार से फसलों के बुराव होने और लागत के अनुपात में फसलों की बाजिक कीमत न मिल पाने की वजह से इस क्षेत्र में मजदूरी घटी है। मनरेगा जैसे कार्यक्रमों में भी काम सौ दिन से घट कर मुश्किल से साल में साठ दिन ही मिल पाता है। ऐसे में अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं कि घरेलू खर्च बढ़ने से लोगों को किन मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

एयूने मकान में हुए 10 लाख की चोरी के आरोपी 24 घंटे के अंदर धरे गए

राजनांदगांव (दावा)। शहर के महोड़ नगर में 26 फरवरी की बीती रात हुई लाखों रुपय नगदी व सोनेचांदी के जेवराती की चोरी के आरोपी को बसंतपुर पुलिस ने 24 घंटे के अंदर धर दबोचा है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लाखों रुपय के जेवरात एवं नगदी बरामद किया है। साथ ही आरोपियों द्वारा घटना में प्रयुक्त स्वीपट कर की भी बरामदी की है।

चोरों के पकड़े जाने पश्चात पुलिस कंट्रोलर रूप में ली गई प्रेस वार्ता में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल के बताया कि महोड़ नगर में सुनित सोनाराया के बाहर हुई चोरों में शामल खान व दो अन्य शातिर चोर शामिल हैं। उक्त चोर उत्तर प्रदेश के बदायू जिले से स्वीपट कर से आकर सूने मकानों को टारोंट बनाकर चोरों किया करते थे फिलाल फ्रैकरण के तीनों आरोपी को जिले कर न्यायिक अभियान में दिया दिया गया है। बसंतपुर थाना प्रभारी सत्यानारायण देवांगन ने बताया कि महोड़ नगर निवासी प्रार्थी सुनित सेठिया पिता स्व. उत्तम चंद सेठिया उम 40 साल ने थाना आकर रिपोर्ट कराया कि रविवार 25 फरवरी की प्रातः 4 बजे इसके सुने आकाम में अज्ञात चोर द्वारा घटना घटना स्थल के बाहरी से निरीक्षण किया गया और घटना स्थल के आपास लगे सीसीटीवी पुटेज को खंगाला गया। जिसमें तीन अज्ञात आरोपी द्वारा घटना में प्रयुक्त एक स्लिपर का मास्टी स्वीपट, कर आकामी 9,50,000 रुपयों को चोरी कर ले गया है। इस पर थाने में धारा 457,380 के तहत अपराध पंजीयन कर विवेचना में लिया गया।

फ्रैकरण की पांसीयों को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक मोहित गांव को दर्शक सूना दी गई और

पुलिस ने की चोरी गयी रकम व सोने चांदी के जेवरात की बरामदी



यूपी से स्वीपट कर में आकर चोरी कार्य को देते थे अंजाम

उक्त के निर्वेशन में अतिरिक्त पुलिस व नगर पुलिस अधीक्षक अधीक्षक गहल देव शमा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल के मार्गदर्शन पर एक टीम गठित की गई जिसमें उनके स्वयं सहित विवेचना अधिकारी डेजलाल मास्टीले एवं प्रभारी साथकर सेल निरीक्षक जितेव वर्मा व उनके साथकर टीम शामिल थे। टीम द्वारा विवेचना के दौरान घटना स्थल का बाहरी से निरीक्षण किया गया और घटना स्थल के आपास लगे सीसीटीवी पुटेज को खंगाला गया। जिसमें तीन अज्ञात आरोपी द्वारा घटना में प्रयुक्त एक स्लिपर का मास्टी स्वीपट, कर आकामी के आपास लगे सीसीटीवी केरमा का अवलोकन कीमत जिले के दर्शक सूने चांदी के संबंध में जिले के

समस्त टोल प्लाजा को चेक किया गया। जो उक्त वाहन को सीसीटीवी अवलोकन पर रखायु, दुर्ग की तरफ से राजनांदगांव आना पाया गया। वर्षष्ठ अधिकारीयों के निर्देशन पर सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त थाना-चौकी प्रभारी को नाकाबदी हेतु सूचित कराया गया।

खंगाले गए सीसी टीवी पुटेज

अज्ञात आरोपियों के पतासाजी हुए जिला दुपारी कुम्हरी एवं रायपुर व बिलासपुर के मध्य में लगे टोल प्लाजा में लगे सीसीटीवी केरमा का अवलोकन कर्मान घटना में प्रयुक्त कर आकामी के आपास लगे सीसीटीवी केरमा की जानकारी गयी।

जिला बोडला जिला कबीरधाम के अधिकारी/कर्मचारी द्वारा नाकाबदी के दौरान मामले में आरोपियों घटना में प्रयुक्त एक सिल्वर रंग का मारुती स्वीपट कर क्रमांक डेजल 9 से ए एल 4079 को छोड़कर मामले में चोरी की मशरूमत को साथ लेकर फरार हो गये थे। जो आरोपी के बाहर नंबर के आधार पर कबीरधाम पुलिस की जानकारी के आधार पर तालक थाना बसंतपुर व सायगर की टीम गठित कर आकामी के माडला, जबलपुर की ओर आरोपी के होने की अदेशा पर जबलपुर जी.आर.पी. को सूचना दी गई जो बताये गये संदेहियों के हुल्किया के आधार पर जी.आर.पी. जबलपुर द्वारा तीन संदेहियों को पकड़ा गया।

आरोपियों की पहचान

राजनांदगांव पुलिस तकलीफ मौके पर जबलपुर रेवे प्लैचक संदेहियों की शिनाख की गई व आरोपियों की पहचाना जिससे उन्हें बसंतपुर थाना में चोरी के मामले में सलिस होना पाया गया। गिरफ्तर आरोपियों के नाम राजा खान पिता सफर खान उम 24 साल निवासी प्रभारी को नाकाबदी हेतु सूचित कराया गया।

भाजपा राज आते ही नागरिकों को दौड़ा रहा निगम प्रशासन-कुलबीर सिंह

राजनांदगांव (दावा)। सत्ता परिवर्तन होते ही प्रदेश भटकाने व परेशन करने की भाजपा सरकार द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत प्रेस में संबलित राशन काढ़ों के पश्चात जिला प्रशासन के निरेशन पर वार्ता में शिरिय के मायथम से नहीं राशन काढ़ का वितरण किया गया है। किन्तु चार से पांच-वार्ड का राशन काढ़ एक स्थान पर वितरण किया जा रहा है। अतिरिक्त लोगों को राशन काढ़ नहीं होता है। इन हितालियों को राशन काढ़ का वितरण किया जा रहा है। जिसको लेकर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छबड़ा ने व्यवस्था सुधारने की मांग को लेकर निगम अध्यक्ष को पढ़ाया है।

जानवारी में देखे हुए शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छबड़ा ने बताया कि गजब आरोपी के निरेशन पर वार्डों में शिरिय के मायथम से नहीं राशन काढ़ का वितरण किया जा रहा है। जिसको लेकर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छबड़ा ने व्यवस्था सुधारने की मांग को लेकर निगम अध्यक्ष को पढ़ाया है।

○ गशन काढ़ के नवीनीकृत काढ़ को तीन-चार वार्ड दूर जाकर लेना पड़ रहा है।

○ राशन काढ़ का वितरण के बार्डों में शिरिय के मायथम से नहीं राशन काढ़ का वितरण किया गया है। इनके तहत शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छबड़ा ने व्यवस्था सुधारने की मांग को लेकर निगम प्रशासन की ओर देखा है।

राजनांदगांव (दावा)। स्टेशनपारा औरवारिंग ठेरी नवीनीकृत काढ़ को तीन-चार वार्ड दूर जाकर लेना पड़ रहा है। जिसके बाहरी वार्डों की वितरण किया जा रहा है। इसी तरह कई नवीनीकृत राशन काढ़ों में राशन काढ़ के बाहरी वार्डों की वितरण किया जा रहा है। इसी तरह कई नवीनीकृत राशन काढ़ों में राशन काढ़ के अदेश के अन्दर नवीनीकृत राशन काढ़ को तीन-चार वार्डों की वितरण किया जा रहा है। इसी तरह कई नवीनीकृत राशन काढ़ों में राशन काढ़ के अदेश के अन्दर नवीनीकृत राशन काढ़ को तीन-चार वार्डों की वितरण किया जा रहा है।

नजर आ रहे हैं। इसी तरह राशन काढ़ के अदेश के अन्दर नवीनीकृत राशन काढ़ को तीन-चार वार्डों की वितरण किया जा रहा है। इसी तरह कई नवीनीकृत राशन काढ़ों में राशन काढ़ के अदेश के अन्दर नवीनीकृत राशन काढ़ को तीन-चार वार्डों की वितरण किया जा रहा है। इसी तरह कई नवीनीकृत राशन काढ़ों में राशन काढ़ के अदेश के अन्दर नवीनीकृत राशन काढ़ को तीन-चार वार्डों की वितरण किया जा रहा है। इसी तरह कई नवीनीकृत राशन काढ़ों में राशन काढ़ के अदेश के अन्दर नवीनीकृत राशन काढ़ को तीन-चार वार्डों की वितरण किया जा रहा है।

जानवारी में देखे हुए शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छबड़ा ने व्यवस्था सुधारने की मांग को लेकर निगम प्रशासन की ओर देखा है।

○ राशन काढ़ का वितरण के बार्डों में शिरिय के मायथम से नहीं राशन काढ़ का वितरण किया गया है। इनके तहत शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छबड़ा ने व्यवस्था सुधारने की मांग को लेकर निगम प्रशासन की ओर देखा है।

○ राशन काढ़ का वितरण के बार्डों में शिरिय के मायथम से नहीं राशन काढ़ का वितरण किया गया है। इनके तहत शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छबड़ा ने व्यवस्था सुधारने की मांग को लेकर निगम प्रशासन की ओर देखा है।

○ राशन काढ़ का वितरण के बार्डों में शिरिय के मायथम से नहीं राशन काढ़ का वितरण किया गया है। इनके तहत शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छबड़ा ने व्यवस्था सुधारने की मांग को लेकर निगम प्रशासन की ओर देखा है।

○ राशन काढ़ का वितरण के बार्डों में शिरिय के मायथम से नहीं राशन काढ़ का वितरण किया गया है। इनके तहत शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छबड़ा ने व्यवस्था सुधारने की मांग को लेकर निगम प्रशासन की ओर देखा है।

○ राशन काढ़ का वितरण के बार्डों में शिरिय के मायथम से नहीं राशन काढ़ का वितरण किया गया है। इनके तहत शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छबड़ा ने व्यवस्था सुधारने की मांग को लेकर निगम प्रशासन की ओर देखा है।

○ राशन काढ़ का वितरण के बार्डों में शिरिय के मायथम से नहीं राशन काढ़ का वितरण किया गया है। इनके तहत शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छबड़ा ने व्यवस्था सुधारने की मांग को लेकर निगम प्रशासन की ओर देखा है।

○ राशन काढ़ का वितरण के बार्डों में शिरिय के मायथम से नहीं राशन काढ़ का वितरण किया गया है। इनके तहत शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छबड़ा ने व्यवस्था सुधारने की मांग को लेकर निगम प्रशासन की ओर देखा है।

○ राशन काढ़ का वितरण के बार्डों में शिरिय के मायथम से नहीं राशन काढ़ का